[This question paper contains 6 printed pages.]

6341 *Your Roll No.* .....

LL.B.

I Term

AS

Paper IV – CRIMINAL LAW – I (OC)

(General Principles & Criminal Procedures)

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

Note :– Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :– इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt **Five** *questions including Question No.* **1** *which is compulsory and atleast* **one** *question from Part B.*
All *questions carry equal marks.*

अनिवार्य प्रश्न क्रमांक **1** *सहित कुल* **पाँच** *प्रश्न हल कीजिए।*
भाग **ख** *में से कम से कम* **एक** *प्रश्न करना जरूरी है।*
सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P.T.O.

1. Attempt briefly any **four** of the following :–

   (i) Common Intention is the gist of offence under Section -34 of IPC, 1860.

   (ii) Legal insanity as a defence to criminal charge.

   (iii) Evidentiary value of FIR.

   (iv) Rights of an arrested person.

   (v) Rule of "autrefois acquit" and "autrefois convict". (4×5=20)

निम्नलिखित में से किन्हीं चार के उत्तर संक्षेप में लिखिए :

(i) भारतीय दंड संहिता, 1860 की धारा 34 के अन्तर्गत अपराध का आधार सामान्य आशय है।

(ii) आपराधिक आरोप में प्रतिरक्षा के रूप में विधिक विक्षिप्तता।

(iii) प्रथम इत्तला रिपोर्ट का साक्ष्यिक महत्व।

(iv) गिरफ्तार हुए व्यक्ति के अधिकार।

(v) "प्राक्दोषमुक्ति" और "पूर्व दोषसिद्धि" का नियम।

PART A (भाग क)

2. Critically analyse the Supreme Court Judgment in the case of State of Maharashta V.M.H. George (1965)1 SCR 123. Also explain whether mensrea.in the sense of actual knowledge of the acts being done contrary to Law, is essential for convicting any accused in Criminal Law ? (20)

उच्चतम न्यायालय के *स्टेट ऑफ महाराष्ट्र* बनाम एम. एच. जॉर्ज (1965)1 एस सी आर 123 केस में दिए गए निर्णय का समीक्षात्मक विश्लेषण कीजिए। यह भी स्पष्ट कीजिए कि विधि के प्रतिकूल किए जा रहे कृत्यों की वास्तविक जानकारी के अर्थ में आपराधिक मन: स्थिति क्या दंड विधि में किसी अभियुक्त को दोषसिद्ध करने हेतु आवश्यक होती है ?

3. What do you understand by the latin maxim "ignorantia facti excusat ignorantia juris non excusat" ? Explain with the help of decided cases. (20)

लैटिन सूत्र- "तथ्य की अनभिज्ञता प्रतिहेतु हो सकती है किन्तु विधि की अनभिज्ञता नहीं" से आप क्या समझते हैं। विनिश्चित केसों की सहायता से स्पष्ट कीजिए।

4. In the course of a fight Ram fired a gunshot at Shyam which was successfully evaded by the latter. Thereafter shyam snatched the gun from Ram and fired at him resulting in Ram's death. During the trial Shyam pleads right of Private defence in his defence. Discuss whether this defence will be available to the accused Shyam or not, with the help of decided cases ? (20)

एक झगड़े के दौरान राम ने श्याम पर एक गनशॉट फायर किया जिसे श्याम ने सफलतापूर्वक बचा दिया। इसके बाद श्याम ने राम से गन

छीन ली तथा राम पर फायर कर दिया जिसके परिणामस्वरूप राम की मृत्यु हो गई। विचारण के दौरान श्याम ने अपनी प्रतिरक्षा में प्राइवेट प्रतिरक्षा का अभिवाक् किया। विनिश्चित केसों की सहायता से विवेचन कीजिए कि क्या अभियुक्त श्याम को उक्त प्रतिरक्षा सुलभ होगी या नहीं ?

5. Radha had a bitter quarrel with her husband Kishan, so much so that she threatened to commit suicide and ran upstairs to jump from the roof of the house. Kishan did nothing to stop her, but her maid servant followed her and held her back from jumping down. Would Radha be guilty of attempting to commit suicide ? Discuss bringing out clearly the difference between preparation for and attempt at commission of a crime. (20)

राधा का अपने पति किशन के साथ इतना भीषण झगड़ा हुआ कि उसने आत्महत्या करने की धमकी दी तथा वह मकान से छलांग लगाने के लिए ऊपर सीढ़ियों की ओर दौड़ गई। किशन ने उसे रोकने के लिए कुछ नहीं किया किन्तु उसकी नौकरानी ने उसका पीछा किया तथा उसको नीचे न कूदने हेतु पकड़ लिया। क्या राधा आत्महत्या का प्रयास करने की दोषी होगी ? किसी अपराध को करने के लिए तैयारी और करने के प्रयास के बीच अन्तर का खुलासा करते हुए विवेचन कीजिए।

6. (a) What is an unlawful assembly ? Why is such an assembly called unlawful ? Explain.

(b) What are the essential conditions to invoke the defence of involuntary drunkenness under the Indian Penal Code? Explain with the help of decided cases. (10×2=20)

(क) विधिविरूद्ध जमाव क्या होता है ? ऐसे जमाव को विधिविरूद्ध क्यों कहा जाता है ? स्पष्ट कीजिए ।

(ख) भारतीय दंड संहिता के तहत अस्वैच्छिक मद्यपता की प्रतिरक्षा का अवलम्ब लेने के लिए क्या-क्या आवश्यक शर्तें हैं ? विनिश्चित केसों की सहायता से स्पष्ट कीजिए ।

PART B (भाग ख)

7. (a) "Anticipatory bail, being an extra-ordinary remedy must be allowed only in extra-ordinary situations". Examine the above statement critically and also comment upon whether it can be granted in a blanket fashion ?

(b) Critically analyse the power of the Supreme Court to transfer cases and appeals. (10×2=20)

(क) "अग्रिम जमानत एक असाधारण उपचार है जिसकी अनुमति केवल असाधारण स्थितियों में दी जानी चाहिए ।" उक्त कथन की समीक्षात्मक जांच कीजिए तथा इस पर भी टिप्पणी लिखिए कि क्या इसको खुले फैशन की तरह मंजूर किया जाना चाहिए ?

(ख) केसों और अपीलों का अन्तरण करने के लिए उच्चतम न्यायालय की शक्तियों की समीक्षात्मक जांच कीजिए।

8. (a) "The western concept of plea bargaining is best suited to Indian conditions", critically analyse this statement.

(b) When can inquiry and trial be held in the absence of the accused? Explain. (10×2=20)

(क) Plea bargaining की पश्चिमी संकल्पना भारतीय स्थितियों के सर्वाधिक अनुकूल/उपयुक्त है। इस की समीक्षात्मक जांच कीजिए।

(ख) अभियुक्त की अनुपस्थिति में जांच और विचार कब चल सकता है?